



**PRATHAM
BOOKS**

A Book in Every Child's Hand

सो जाओ टिंकु!

Author: Preethi Nambiar

Illustrators: Sonal Goyal, Sumit Sakhuja

Translator: Arti Smit

पठन स्तर २



खूबसूरत चाँदनी रात थी, सारे पशु सो रहे थे।
सिर्फ टिंकु जागा हुआ था।



“मुझे नींद नहीं आ रही अम्मा!” टिंकु फुसफुसाया।
लेकिन अम्मा ने उसकी बात सुनी ही नहीं। वह गहरी
नींद में थी।

वह दाएँ मुड़ा फिर बाएँ मुड़ा। उसने कंबल ओढ़ा, फिर
उतार फेंका। वह पेट के बल लेटा, फिर चित हुआ,
इधर-उधर करवट बदली, पर नहीं! वह सो ही नहीं
पाया!

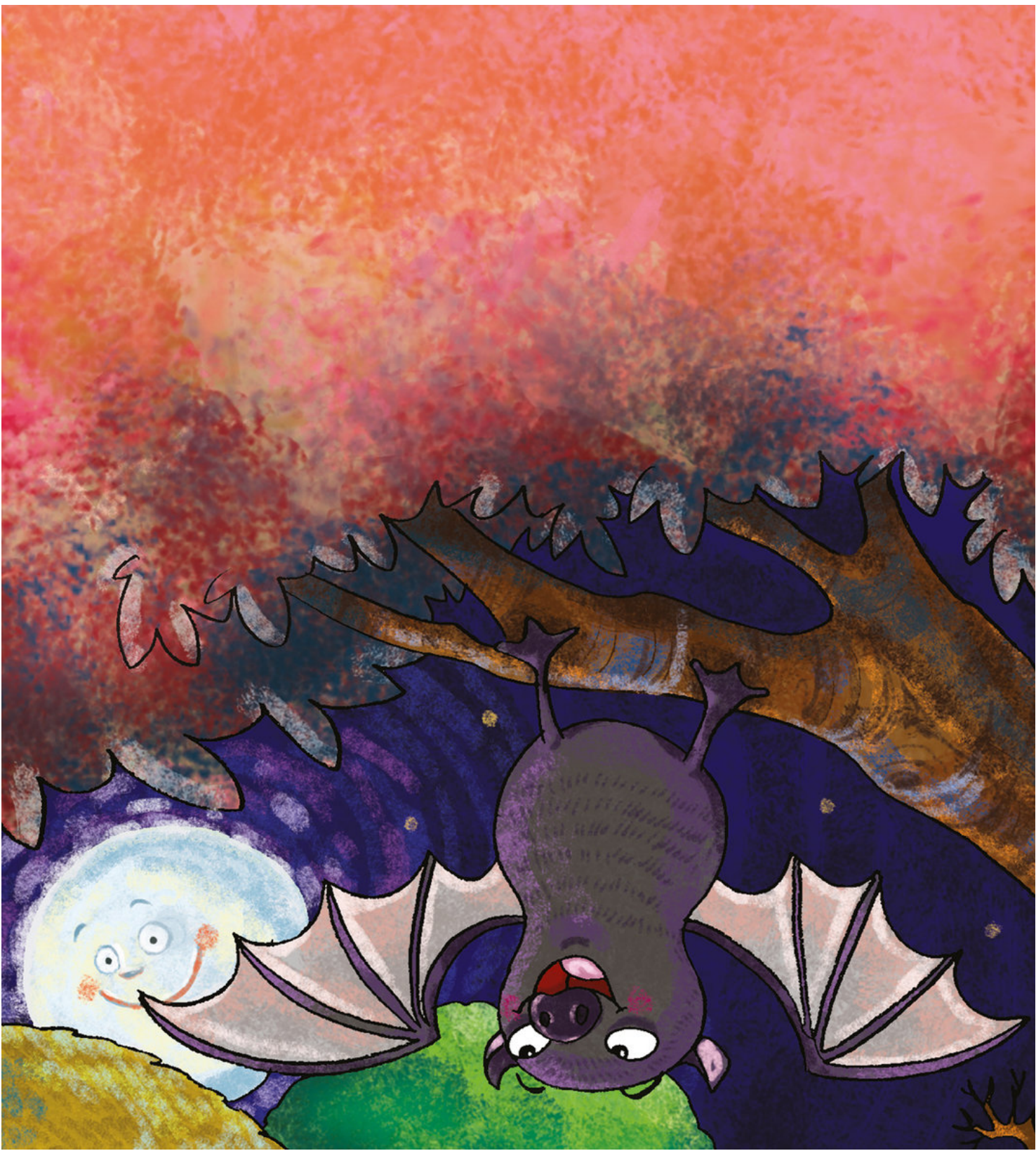
वह उठा और निकल पड़ा।



वह जानना चाहता था कि रात में उसे कौन मिल सकता है। ऊपर आसमान में टिंकु ने चाँद देखा। सफ़ेद, जगमग करता गोल चाँद जो मुस्कराता हुआ उसे देख रहा था। वह बहुत खुश हुआ। रात बहुत सुंदर है, टिंकु ने सोचा।



दूर पेड़ पर, पत्तों के बीच टिमटिमाती रोशनी दिखी।
“वह रोशनी कैसी?” वह चकित हुआ। एक छोटी सी
रोशनी उड़ती हुई उसके पास आई।
“मैं एक जुगनू हूँ,” जुगनू ने कहा। “मैं अँधेरे में
चमकता हूँ!”
“क्या तुम मेरे दोस्त बनोगे?” टिंकु ने पूछा।
“हाँ बनेँगा,” जुगनू बोला।



एक पंछी उड़ता हुआ आया।
पेड़ की शाख पर उलटा लटक गया।



“तुम कौन हो भाई?” टिंकु ने पूछा।

“मैं चमगादड़ हूँ।” उसने कहा।

“मैं रात के अँधेरे में देख सकता हूँ!”

“क्या तुम मेरे दोस्त बनोगे? टिंकु ने पूछा।

“हाँ, बनूँगा!” चमगादड़ बोला।



पीछे झाड़ियों में कुछ सरसराहट हुई।

कोई छिप रहा था!

“रुको, रुको तुम कौन हो?” टिंकु ने पूछा।

“मैं एक लोमड़ी हूँ।” लोमड़ी ने कहा। “मैं रात को टहलने निकलती हूँ।”

“क्या तुम मेरी दोस्त बनोगी?” टिंकु ने पूछा।

“हाँ बनूँगी!” लोमड़ी बोली।



एक पेड़ से दो चमकती
आँखें उसे घूर रही थीं।



“तुम कौन हो?” टिंकु ने पूछा। “मैं उल्लू हूँ।” जवाब आया। “मैं रात को अपने भोजन की तलाश में निकलता हूँ।”

“क्या तुम मेरे दोस्त बनोगे?” टिंकु ने पूछा।

“हाँ, ज़रूर बनूँगा!” उल्लू बोला।



झीं... झीं! वहाँ झीं... झीं की आवाज़ गूँजी।
यह आवाज़ कैसी? टिंकु चारों ओर देखने लगा।
“मैं एक झींगुर हूँ।” झींगुर बोला।
“जब अँधेरा हो जाता है, मैं झीं...झीं... झनकार सी
आवाज़ निकालता हूँ।”
“क्या तुम मेरे दोस्त बनोगे?” टिंकु ने पूछा।
“हाँ, बनूँगा!” झींगुर बोला।



टिंकु और उसके दोस्त हँसे और उछले-कूदे। वे इधर से उधर लुढ़के, जब तक कि टिंकु को उबासी आने लगी। हा! वह बहुत थक गया था। “मुझे नींद आ रही है अब घर जाना है,” टिंकु बोला।



वह घर लौटते समय बहुत खुश था कि उसने आज बहुत से नए दोस्त बनाए थे। वह अपनी अम्मा से कसकर लिपट गया। उसने फुसफुसाते हुए कहा, “रात अकेली नहीं होती अम्मा! रात में तो बहुत से अद्भुत जीव मिलते हैं।”



“हाँ!” अम्मा बोली, “तुम्हारे रात के दोस्त रात को ही अपना काम करते हैं। वे रात को ही खाते और खेलते हैं। वे दिन में आराम करते हैं। तुम अब सो जाओ। नींद तुम्हें ताकत देगी, ताकि कल तुम अपने दिन के दोस्तों के साथ खेल सको। सो जाओ मेरे प्यारे बच्चे!”



चमकीला गोल-गोल चाँद पूरी रात चमकता रहा।
उसकी शीतल चाँदनी चारों ओर बिखरी थी।

और खर्र-खर्र खर्रटि लेता सोया टिंकु!

Story Attribution:

This story: सो जाओ टिंकु! is translated by [Arti Smit](#). The © for this translation lies with Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: '[Goodnight, Tinku!](#)', by [Preethi Nambiar](#). © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

This book has been published on StoryWeaver by Pratham Books. The development of the print version of this book has been supported by HDFC Asset Management Company Limited (A joint venture with Standard Life Investments). www.prathambooks.org

Illustration Attributions:

Cover page: [Puppy running at night](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhujia](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: [Farm animals sleeping at night](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhujia](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: [Dog awake at night](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhujia](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: [Dog running out of farm at night](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhujia](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: [Dog talking to firefly at night](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhujia](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: [Dog talking to bat at night](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhujia](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: [Dog talking to bat at night](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhujia](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: [Dog talking to fox at night](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhujia](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: [Dog talking to owl at night](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhujia](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: [Dog talking to owl at night](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhujia](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: <https://www.storyweaver.org.in/terms-and-conditions>



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

Illustration Attributions:

Page 11: [Dog talking to cricket at night](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhuja](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.
Page 12: [Dog, firefly, bat, fox, owl and cricket](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhuja](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.
Page 13: [Dog hugging puppy at night](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhuja](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.
Page 14: [Dog hugging puppy at night](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhuja](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.
Page 15: [Dog and puppy sleeping at night](#), by [Sonal Goyal, Sumit Sakhuja](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

सो जाओ टिंकू! (Hindi)

टिंकू एक नन्हा पिल्ला है और उसे ज़रा भी नींद नहीं आ रही थी। वह रात को अकेले ही बाहर चल पड़ा। उसे कौन कौन मिला पढ़िए उसी की प्यारी सी कहानी।

यह पठन स्तर २ की किताब है, उन बच्चों के लिए जो सरल शब्द पढ़ लेते हैं और थोड़ी मदद से नए शब्द भी पढ़ सकते हैं।



Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!